4 सर्वनाम (Pronoun)

सर्वनाम शब्द दो शब्दों के मेल से बना है– 1. सर्व 2. नाम। सर्व का अर्थ है– सबका। इस प्रकार सर्वनाम का अर्थ है– सबका नाम।

राजा दीपावली का मेला देखने जा रहा था। रास्ते में **उसे** ओजस्व मिला।

उसने ओजस्व से पूछा, ''क्या तुम दीपावली का मेला देखने नहीं चलोगे?''

''जरूर चलूँगा'' ओजस्व ने उत्तर दिया। ''**मैं** रजत की प्रतीक्षा कर रहा हूँ।''

''अरे वह नहीं आएगा। **उसने मुझे** फोन पर बताया था कि आज **उसे अपने** मामा जी के यहाँ जाना है।''

''ठीक है'' **मैं तुम्हारे** साथ ही चलता हूँ।

उपर्युक्त वाक्यों में मोटे छपे शब्द संज्ञा शब्दों के स्थान पर आए हैं। अतः ये सभी सर्वनाम हैं।

अतः हम कह सकते हैं कि– जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं उन्हें **सर्वनाम** कहते हैं।

सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के छः भेद हैं–

1. पुरुषवाचक सर्वनाम (Personal Pronoun)
2. निश्चयवाचक सर्वनाम (Demonstrative Pronoun)
3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम (Indefinite Pronoun)
4. प्रश्नवाचक सर्वनाम (Interrogative Pronoun)
5. संबंधवाचक सर्वनाम (Relative Pronoun)
6. निजवाचक सर्वनाम (Reflexive Pronoun)

1. **पुरुषवाचक सर्वनाम (Personal Pronoun)–** जो शब्द कहने वाले, सुनने वाले, वहाँ उपस्थित तथा अनुपस्थित लोगों के लिए प्रयोग किए जाएँ, वे पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

(क) मदन ने मुझसे कहा, "वह बीमार है।"

(ख) राकेश ने कहा, "मैं आज तुम्हें पत्र लिखूँगा।"

(ग) कमल ने कहा, "आज मैं स्कूल नहीं जाऊँगा।"

उक्त वाक्यों में 'मैं' कहने वाले के लिए 'तुम' एवं तुम्हें सुनने वाले के लिए 'वह' किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रयोग किया गया है। अतः मैं, तुम्हें और वह पुरुषवाचक सर्वनाम है।

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं–

(क) उत्तम पुरुषवाचक (First Person) (ख) मध्यम पुरुषवाचक (Second Person)

(ग) अन्य पुरुषवाचक (Third Person)

(क) **उत्तम पुरुषवाचक (First Person)–** बोलने वाला या लिखने वाला अपने नाम के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग करता है, उन्हें उत्तम पुरुष वाचक सर्वनाम कहा जाता है; जैसे-मैं, मैंने, मेरा, हम, हमने, हमारा आदि। जैसे-

(क) मैंने खाना खा लिया।

(ख) मैं खाना खा रहा हूँ।

(ख) **मध्यम पुरुषवाचक (Second Person)–** जिससे बात की जा रही हो उसके लिए जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग होता हैं, वे मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे-तुम, तुम्हारा, तू, आपका आदि।

(क) तुम पढ़ लो, फिर चलेंगे।

(ख) तुम्हारे पिताजी आ रहे हैं।

(ग) **अन्य पुरुषवाचक (Third Person)–** जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग अन्य व्यक्तियों अर्थात जिसके विषय में बात की जा रही है, के लिए किया जाता है, उन्हें अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे-वह, वे, उसने, उन्होंने, इन्होंने आदि।

(क) यह रमेश का भाई है।

(ख) वह तो अब तक चला गया होगा।

2. **निश्चयवाचक सर्वनाम (Demonstrative Pronoun)–** जिन सर्वनाम से निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध हो, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे-

(क) यह आयुष का घर है। (ख) यह मेरी पुस्तक है।

विशेष- वह और यह शब्दों का प्रयोग अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम के रूप में होता है अर्थात् जब बोलने वाला जिसके विषय में बात कर रहा है उसके लिए यह या वह शब्द का प्रयोग करता है, वहाँ वह पुरुषवाचक सर्वनाम होता है। परंतु जब 'वह' शब्द (सर्वनाम) किसी निश्चित संज्ञा के बदले प्रयुक्त होता है तो वह निश्चयवाचक सर्वनाम होता है। ध्यान दें, यह और ये, निकटवर्ती व्यक्ति के लिए प्रयुक्त होते हैं, जबकि 'वह' और 'वे' दूरवर्ती व्यक्ति के लिए प्रयोग होते हैं।

3. **अनिश्चयवाचक सर्वनाम (Indefinite Pronoun)–** जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित वस्तु एवं व्यक्ति का बोध नहीं होता, उन शब्दों को अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे-

(क) **कोई** गा रहा है। (ख) वह **कुछ** लाया है।

4. **प्रश्नवाचक सर्वनाम (Interrogative Pronoun)–** जिस सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे-

(क) यह पुस्तक किसकी है? (ख) बाहर कौन खड़ा है?

5. **संबंधवाचक सर्वनाम (Relative Pronoun)–** जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वाक्य में प्रयुक्त दूसरे शब्दों से संबंध बताने के लिए किया जाता है, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे-

(क) जिसने भलाई का कार्य किया है उसे पुरस्कार मिलेगा।

(ख) जैसा करोगे वैसा भरोगे।

6. **निजवाचक सर्वनाम (Reflexive Pronoun)–** जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग कर्ता स्वयं का बोध कराने के लिए करता है, उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं, जैसे-

(क) मैं अपना काम **स्वयं** कर लूँगा। (ख) **अपना** काम **स्वयं** करो।

सर्वनामों की रूप-रचना

सर्वनाम के केवल सात कारकों में ही रूप चलते हैं। सर्वनाम शब्दों के रूप में संबोधन नहीं होता हैं।

उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम 'मैं'

कारक (Case)	एकवचन (Singular)	बहुवचन (Plural)
कर्ता	मैं, मैंने	हम, हमने
कर्म	मुझे, मुझको	हमें, हमको
करण	मुझसे, मेरे द्वारा	हमसे, हमारे द्वारा
संप्रदान	मेरे लिए, मुझको	हमारे लिए, हमको
अपादान	मुझसे (पृथक)	हमसे (पृथक)
संबंध	मेरा, मेरे, मेरी	हमारा, हमारे, हमारी
अधिकरण	मुझ में, मुझ पर	हम में, हम पर

मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम 'तू'

कारक (Case)	एकवचन (Singular)	बहुवचन (Plural)
कर्ता	तू, तूने	तुम, तुमने
कर्म	तुझे, तुझको	तुम्हें, तुमको
करण	तुझसे, तेरे द्वारा	तुझ से, तुम्हारे द्वारा
संप्रदान	तेरे लिए, तुझको	तुम्हारे लिए
अपादान	तुझसे (पृथक)	तुम से (पृथक)
संबंध	तेरा, तेरे, तेरी	तुम्हारा, तुम्हारे
अधिकरण	तुझमें, तुझ पर	तुममें, तुम पर